

संपादक की कलम

शिक्षा तंत्र से डिग्री और रोजगार के बीच बढ़ती दूरी

शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर सोचने, करने और समाज के लिए उपयोगी बनने की क्षमता पैदा करना है। ‘ महात्मा गांधी की नई तालीम का मूल विचार इसी दिशा में था कि शिक्षा जीवन और श्रम से जुड़ी हो। आज जब भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में है, तब यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हमारी शिक्षा युवाओं को केवल डिग्री दे रही है या उनके हाथों में ऐसा कौशल भी दे रही है जिससे वे सम्मानजनक रोजगार प्राप्त कर सकें और स्वयं रोजगार पैदा कर सकें।भारत में शिक्षा का विस्तार निस्संदेह हुआ है। गांव-गांव विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय पहुंचे हैं। उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी सामने आई है डिग्री और रोजगार के बीच बढ़ती दूरी। बड़ी संख्या में युवा स्नातक और स्नातकोत्तर होने के बाद भी रोजगार के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी कतार में खड़े दिखाई देते हैं। शिक्षा पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश स्वयं एक पूर्णकालिक काम बन जाती है। यह कहना उचित नहीं होगा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था केवल बेरोजगार पैदा करती है, क्योंकि शिक्षा ने देश को वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता, शिक्षक, प्रशासक, उद्यमी और असंख्य विशेषज्ञ भी दिए हैं। समस्या अधिक गहरी है। शिक्षा का बड़ा हिस्सा अभी भी ज्ञान, परीक्षा और प्रमाणपत्र के इर्द-गिर्द घूमता है, जबकि आधुनिक अर्थव्यवस्था को ज्ञान के साथ कौशल, तकनीक, अनुभव और समस्या-समाधान की क्षमता चाहिए। आज किसी युवक के पास बीए, बीकॉम, बीएससी या एमए की डिग्री हो सकती है, लेकिन यदि उसके पास कंप्यूटर, डिजिटल तकनीक, मशीन संचालन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-तकनीक, लेखांकन, डिजाइन, डेटा विश्लेषण, स्वास्थ्य सेवा, निर्माण, मरम्मत, संचार अथवा किसी अन्य रोजगारपरक क्षेत्र की व्यावहारिक दक्षता नहीं है तो उसकी डिग्री रोजगार की गारंटी नहीं देती। यही वह बिंदु है जहां शिक्षा व्यवस्था को अपने पुराने ढांचे पर पुनर्विचार करना होगा। डिग्री शिक्षा का अंत नहीं, रोजगार और जीवन की क्षमता का आरंभ होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसी समस्या को पहचानते हुए व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने, विद्यालय स्तर से कौशल शिक्षा देने और उद्योग के साथ शिक्षा संस्थानों के संबंध मजबूत करने की दिशा निर्धारित की है। नीति में 2025 तक कम-से-कम 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव देने का लक्ष्य रखा गया था। आवश्यकता अब लक्ष्य निर्धारित करने से आगे बढ़कर उसकी प्रभावी जमीन तैयार करने की है। महात्मा गांधी शिक्षा को हाथ, दिमाग और हृदय तीनों के विकास से जोड़ते थे। उनकी बुनियादी शिक्षा में उत्पादनकारी कार्य और शिक्षा का संबंध महत्वपूर्ण था। इसका अर्थ यह था कि विद्यार्थी केवल किताब से नहीं, काम करते हुए भी सीखता है। आज इस विचार को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। कक्षा छह या आठ से ही विद्यार्थियों को स्थानीय अर्थव्यवस्था और भविष्य के रोजगार से परिचित कराया जा सकता है। कोई बच्चा कृषि-तकनीक सीखे, कोई सौर ऊर्जा, कोई इलेक्ट्रॉनिक्स, कोई ड्रोन संचालन, कोई कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, कोई बर्दईगीरी, कोई खाद्य प्रसंस्करण, कोई स्वास्थ्य-सहायता, कोई डिजिटल डिजाइन और कोई स्थानीय हस्तशिल्प। इससे ‘काम करने’ और ‘छोटा-बड़ा काम’ जैसी सामाजिक धारणाओं को भी बदलना होगा। श्रम की प्रतिष्ठा शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं मानते थे।

ललित शर्मा

संपादक

चीं चीं से स्नेह

उदय कशोर साह

कविता

कैसे छोड़ दूँ तुम्हें बेरहम दुनियां में अकेला
बाहर जाल बिछाये बैठा है बहेलिया
मन में जिसकी है खोटी सोंच विचार
कौन करेगा जग में तेरे संग न्याय सहचार

धरती से दूर है वो असीमित नीला आकाश
नहीं होता है जिस का आधार व आसार
थक जाओगे अंबर में उड़ते आयेगी परेशानी
खत्म हो जायेगी तेरी ये स्वर्णिम सी जिन्दगानी

ये कायनात है बड़े लोगों की बपौती जागीर यार
कमजोरों का ना होता कभी अपनी कोई संसार
बाहुबली की सिक्का चलती है हर कोई मददगार
रंक पे हर युग में हनक दिखलाता सब बरियार

अपने मान कर पाला है चीं चीं में बन कर पालनहार
ममता लुटाया अनुराग बरसाया दिया है तुमको प्यार
मोह माया की जजीर में बंधा हूँ कैसे समझाऊं यार
जतन से पाला पिंजरे में ना डाला आजादी दिया हर बार

जीवन की इस दुर्गम मोड़ पर ज़िद छोड़ो इस बार
आओ लौट चलो घोंसले में तूँ जो कर रहा इन्तजार
खून पसीने से सींच कर बड़ा क्या है तुम्हें दी संसार
मित्र बन कर साथ जिया है जीवन में मेरे यार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

संपादकीय

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

ललित गर्ग

लेखक

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादस्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मयारों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 125 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, ‘मोदी का बाप भी जाएगा।’ इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में

समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए? खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सुनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए ‘मौत का सौदागर’ शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की ‘चायवाला’ संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के ‘चौकीदार चोर है’ नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों

ई100 ईंधन को हरी झंडी: क्या एथेनॉल से घटेगी भारत की विदेशी तेल पर निर्भरता?

किथन भावनानी

लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत की ऊर्जा सुरक्षा के इतिहास में 26 अक्टूबर 2026 एक महत्वपूर्ण तारीख के रूप में सामने आया है किंद्र सरकार ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन करके 100 प्रतिशत तक एथेनॉल वाले ई100 ईंधन पर चलने वाले वाहनों के लिए नियामकीय रास्ता साफ कर दिया है। इसक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना में ई100 को ई 85 के साथ वाहन उत्सर्जन और परीक्षण संबंधी नियमों में शामिल किया गया है। इसका अर्थ है कि वाहन निमाता अब निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार ई100 और अन्य उच्च एथेनॉल मिश्रणों पर चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों का परीक्षण, प्रमाणन और बाजार में प्रवेश करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहंगा कि,यह फैसला ऐसे समय आया है,जब पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितताएं भारत सहित अनेक देशों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि दुनिया में तेल की भारी किल्लत होना निश्चित है। वास्तविक स्थिति संघर्ष की अवधि, तेल उत्पादक देशों की आपूर्ति, समुद्री परिवहन मार्गों और अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करेगी। लेकिन एक बात स्पष्ट है,जो देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए एक ही प्रमुख आयातित ईंधन पर निर्भर रहते हैं,वे अंतरराष्ट्रीय संकटों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इसी चुनौती के बीच एथेनॉल भारत के लिए केवल वैकल्पिक ईंधन नहीं,बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता, कृषि आधारित उद्योग और परिवहन क्षेत्र में तकनीकी बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

साथियों बात अगर हम ई 20 से ई 100 तक:आखिर क्या बदल गया? इसको समझने की कंठ तो,भारत में पेट्रोल के साथ एथेनॉल मिलाने की व्यवस्था पहले से लागू है। ई 20 पेट्रोल में लगभग 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल होता है। भारत ने

की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है? प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले

2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल कर लिया था।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की जानकारी के अनुसार,एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2024-25 में औसत मिश्रण करीब 19.24 प्रतिशत तक पहुंच गया था और 2025-26 में 20 प्रतिशत का स्तरहासिल किया गया। अब ई 100 की व्यवस्था इस दिशा में अगला कदम है। ई 100 का अर्थ लगभग शुद्ध एथेनॉल ईंधन है, जबकि ई 85 में लगभग 85 प्रतिशत एथेनॉल और शेष मुख्यतः पेट्रोल होता है। इन ईंधनों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए फ्लेक्स-फ्यूल वाहन अलग- अलग एथेनॉल-पेट्रोल मिश्रणों पर चलने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। यहां एक

महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। सरकार की नई अधिसूचना का अर्थ यह नहीं है कि भारत की सभी पेट्रोल कंपों पर अब ई 100 पर चल सकती हैं या पेट्रोल पंपों पर ई 100 हर जगह उपलब्ध हो गया है।फिलहाल यह बदलाव उच्च एथेनॉल मिश्रणों के लिए वाहनों के नियामकीय परीक्षण और प्रमाणन ढांचे को स्पष्ट करता है। ईंधन की व्यापक उपलब्धता और नए वाहनों का व्यावसायिक विस्तार अलगअलग चरण हैं। साथियों बात अगर हम भारत को एथेनॉल से होने वाले चार सबसे बड़े फायदों की समझने की करें तो पहला फायदा: कच्चे तेल के आयात और विदेशी मुद्रा पर दबाव कम करना- भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है।

फिर हवा खराब: प्रदूषण की लौटती समस्या और हमारी जिम्मेदारी

डॉ विजय गर्ग

लेखक

हवा जीवन का आधार है।मनुष्य भोजन के बिना कई दिन और पानी के बिना कुछ समय तक जीवित रह सकता है, लेकिन हवा के बिना कुछ मिनट भी जीवन की कल्पना करना कठिन है। इसके बावजूद विद्वंजना यह है कि जिस हवा पर हमारा अस्तित्व निर्भर है, उसी को हम अपनी गतिविधियों से लगातार प्रदूषित कर रहे हैं।हर वर्ष मौसम बदलने के साथ एक बार फिर समाचार सुनाई देने लगते हैं-हवा खराब हो गई है, वायु गुणवत्ता गिर रही है और लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है।सवाल उठता है कि आखिर हर साल हवा खराब क्यों हो जाती है और हम इससे स्थायी मुक्ति क्यों नहीं पा रहे हैं? हर साल लौटता प्रदूषण का संकट भारत के अनेक शहरों, विशेषकर उत्तर भारत में, सर्दियों के दौरान

वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में धुंध, धुएँ और प्रदूषक कणों का मिश्रण वातावरण को प्रभावित करता है। पराली जलाना इस समस्या का एक कारण है, लेकिन इसे ही संपूर्ण समस्या मान लेना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। वाहनों से निकलने वाला धुआँ, उद्योगों का उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कचरा जलाना, घरेलू ईंधन और बिजली उत्पादन से होने वाला प्रदूषण भी हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।सर्दियों में हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं।परिणामस्वरूप प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ जाता है।इसलिए हवा की खराब गुणवत्ता किसी एक दिन, एक शहर या एक किसान की समस्या नहीं है। यह हमारी विकास व्यवस्था, ऊर्जा के उपयोग, परिवहन प्रणाली और पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक लापरवाही से जुड़ी हुई चुनौती है।

पराली: सनस्या और समाधान दोनों पर विचार जरूरी

फसल कटाई के बाद खेतों में बची पराली को जल्दी हटाने के लिए कुछ

किसान उसे जला देते हैं।सीमित समय, अगली फसल की तैयारी, श्रम की लागत और मशीनों तक पहुंच जैसी समस्याएँ इस व्यवहार को बढ़ावा दे सकती हैं। पराली जलने से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण में योगदान देता है। लेकिन किसानों को केवल दोषी ठहराने से समस्या हल नहीं होगी। उन्हें सस्ती मशीनें, समय पर सहायता, फसल अवशेष प्रबंधन के व्यावहारिक विकल्प और आर्थिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराना आवश्यक है। पराली से जैव-ईंधन, कम्पोस्ट, पशु-आहार के उपयुक्त विकल्प तथा औद्योगिक उपयोग की संभावनाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जहाँ वे तकनीकी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों। किसानों को पर्यावरण संरक्षण का भागीदार बनाना

भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं।साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए।लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे।

यह भी विचाराणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है।नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक अप्सर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढांचे से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह

रहना चाहिए। राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है।जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है।सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोटा-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है।इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और पद की गरिमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्कों को पराजित करना दो अलग बातें हैं।लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंततः कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे हों या सत्तापक्ष के अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे असहमति को अपमान में न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा कोई औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी, नेता बदलेंगे और लक्ष्य नहीं, बल्कि स्थितियाँ बदलेंगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं।इसलिए राजनीति को कटुता की नहीं, संवाद की भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

परिवहन और इंजन से निकलने वाले उत्सर्जन को मिलाकर करना चाहिए।चौथा फायदा: ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक ईंधन का मजबूत नेटवर्क-यदि पेट्रोल की आपूर्ति या अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बड़ा व्यवधान आता है,तो घरेलू एथेनॉल उत्पादन एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध करा सकता है। इससे ऊर्जा के स्रोतों में विविधता आएगी और भारत को केवल आयातित कच्चे तेल पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू कृषि तथा जैव-ईंधन उद्योग की क्षमता का उपयोग करने का अवसर मिलेगा। हालांकि, एथेनॉल स्वयं भी कृषि उपज, पानी, बिजली, परिवहन और उत्पादन क्षमता पर निर्भर करता है।इन चारों लाभों का सबसे बड़ा महत्व यह है कि एथेनॉल नीति ऊर्जा, कृषि, उद्योग और पर्यावरण को एक साथ जोड़ती है।भारत सरकार के अनुसार, 2013-14 में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1.5 प्रतिशत था, जो 2025-26 में 20 प्रतिशत तक पहुंच गया। इस विस्तार के साथ घरेलू उत्पादन क्षमता भी बढ़ी है। साथियों बात अगर हम क्या ई 100 से पेट्रोल का विकल्प पूरी तरह तैयार हो जाएगा? इसको समझने की करें तोइसका उत्तर है,अभी नहीं, लेकिन भारत ने एकमहत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है।

प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है।जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगें, बुजुर्ग सुवह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है।

केवल सलाह नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए

वायु प्रदूषण के दौरान लोगों को मास्क पहनने, बाहर की गतिविधियाँ कम करने और सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। ये उपाय कुछ परिस्थितियों में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन इनसे प्रदूषण के मूल कारण समाप्त नहीं होते। सरकारों को प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करके नियमित निगरानी करनी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रित करना, कचरा खुले में जलाने पर प्रभावी रोक लगाना और औद्योगिक उत्सर्जन के नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। शहरों में केवल पौधे लगाने के अभियानों के बजाय मौजूदा पेड़ों और हरित क्षेत्रों की रक्षा भी जरूरी है।पेड़ पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक धुएँ और खुले में

प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। छोटी-छोटी आदतें मित्रवत सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।निजी वाहन के स्थान पर जहाँ संभव हो, सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या साझा वाहन का उपयोग करें।कचरा, पत्तियाँ और कृषि अवशेष खुले में न जलाएँ। बिजली और ईंधन की अनावश्यक खपत कम करें।स्थानीय वायु गुणवत्ता सूचकांक की जानकारी रखें और प्रदूषण अधिक होने पर बाहरी गतिविधियों में सावधानी बरतें।बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन रोगियों की विशेष देखभाल करें।प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें और पर्यावरण संबंधी जन-जागरूकता में भाग लें।

आईयूसीटीई में सतर्कता जागरूकता सप्ताह, सत्यनिष्ठा की ली शपथ

ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही से मजबूत होगा सुशासन: नैतिक मूल्यों को अपनाने पर जोर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र (आईयूसीटीई), वाराणसी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के अवसर पर सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से संस्थागत कार्यप्रणाली में ईमानदारी और निष्पक्षता की संस्कृति को मजबूत करने तथा भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए सभी कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। इस दौरान केंद्र के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ लेकर भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति



विकसित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईयूसीटीई के संकाय प्रमुख (शैक्षणिक एवं अनुसंधान) एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. आशीष श्रीवास्तव के संबोधन से हुआ। उन्होंने सत्यनिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की



विश्वसनीयता और प्रभावशीलता उसके कार्यों में पारदर्शिता, नैतिक मूल्यों तथा जवाबदेही के पालन पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की रोकथाम केवल प्रशासनिक व्यवस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को भी इस दिशा में अपनी



भूमिका निभानी चाहिए। अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी, निष्ठा और निष्पक्षता के साथ करके ही बेहतर कार्यसंस्कृति का निर्माण किया जा सकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एसपी माथुर ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और निर्धारित नियमों के

पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि कार्यस्थल पर अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहना चाहिए। भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण के निर्माण में सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस दौरान केंद्र के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ लेकर अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने का संकल्प लिया। साथ ही भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास करने, नियमों का पालन करने और अपने आचरण से दूसरों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नैतिक मूल्यों को

दैनिक कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाकर ही संस्थागत व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन आईयूसीटीई के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी ने किया, जबकि कार्यक्रम का संयोजन अनुभाग अधिकारी अनिल सिंह द्वारा किया गया। आयोजन ने संस्थान की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिसके तहत प्रशासनिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने, पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था को प्रोत्साहित करने तथा भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर केंद्र के समस्त अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चार जनवरी को किया जायेगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

बुलंदशहर में मतदेय स्थलों की संख्या बढ़कर 3032 हुई, पात्र युवाओं के नाम जोड़ने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। आगामी निर्वाचन की तैयारियों के तहत जिले में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान को लेकर प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और मतदेय स्थलों के पुनर्गठन सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। मतदाता सूची का अंतिम



प्रकाशन चार जनवरी 2027 को किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष कैप दिवसों पर बृथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) निर्धारित बूथों पर उपस्थित रहेंगे और नए मतदाताओं के आवेदन प्राप्त करेंगे। पात्र युवा मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे निर्धारित पात्रता पूरी करने पर मतदाता

सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन करें। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची से नाम हटाने अथवा किसी नाम पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए फॉर्म-7 का इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं, निवास परिवर्तन, मतदाता विवरण में संशोधन और मतदाता पहचान पत्र से संबंधित आवश्यक कार्यों के लिए फॉर्म-8 भरना होगा। मतदाता इन सेवाओं का लाभ वोटर सर्विस पोर्टल अथवा एक्स्ट्राएड ऐप के माध्यम से भी उठा

सकते हैं। बैठक में मतदेय स्थलों के पुनर्गठन की जानकारी देते हुए बताया गया कि जिले में मतदेय स्थलों की संख्या 3031 से बढ़कर 3032 हो गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मतदेय स्थलों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सामान्यतः किसी भी मतदेय स्थल पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होने चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदेय स्थलों के निर्धारण में भवनों की

उपयुक्तता, मतदाताओं की सुविधा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची के एक ही अनुभाग में रखने का प्रयास किया जाए, जिससे मतदाताओं को मतदान संबंधी जानकारी प्राप्त करने और अपने विवरण की जांच करने में सुविधा हो। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में मौजूद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे जिले के सभी बूथों पर अपने बृथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने और पात्र मतदाताओं के नाम शामिल कराने में राजनीतिक दलों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। बीएलए की सक्रियता से मतदाता सूची में संभावित त्रुटियों की पहचान करने और उनके सुधार में सहयोग मिलेगा।

भगवानपुर गंगा घाट पर शरद पूर्णिमा पर उमड़े श्रद्धालु, लगाई आस्था की डुबकी

वेलकम इंडिया संवाददाता



बुगरासी/बुलंदशहर। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगवानपुर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। क्षेत्र के कई दर्जन गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। स्नान के बाद मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की और कथा सुनकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने घाट पर चंदन का तिलक भी लगवाया। हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। मान्यता है कि अश्विन मास की पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी चांदनी अमृत के समान लाभकारी होती है। इसी मान्यता के चलते शरद पूर्णिमा की रात खुले आसमान के नीचे खीर रखने और बाद में उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण

करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा को मां लक्ष्मी के प्राकट्य से भी जोड़कर देखा जाता है। इसी कारण इसे कोजागरी पूर्णिमा कहा जाता है। मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जो भक्त जागकर उनकी पूजा-अर्चना करता है, उस पर मां की कृपा बनी रहती है। इस अवसर पर श्रद्धालु रात्रि

जागरण और लक्ष्मी पूजन भी करते हैं। वहीं, धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी पूर्णिमा की रात भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों के साथ महारास किया था। इस वजह से शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। भगवानपुर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की मौजूदगी से माहौल भक्तिमय बना रहा।

शरदीय पूर्णिमा के अवसर पर दशहरा मेला सकुशल शांतिपूर्ण सम्पन्न रावण का पुतला किया दहन



वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज (अयोध्या)। कोतवाली रूदौली क्षेत्र के अंतर्गत भेलसर टिकैत नगर मार्ग शुजागंज कस्बे स्थित शिव मंदिर पक्का तालाब परिसर पर शरदीय पूर्णिमा के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस

वर्ष भी दशहरा मेले का आयोजन किया गया है। मेले में दूर-दराज से लोग मेला देखने आए। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए नाना प्रकार के मिष्ठान, खिलौने सहित अन्य प्रकार के सामग्री की दुकान लगी हुई थी। वही शाम ढलते ही राम लक्ष्मण एवं हनुमान के स्वरूपों

ने तीर चला कर रावण का पुतला का दहन भी किया गया। मेले की सुरक्षा हेतु चौकी प्रभारी शुजागंज अभिषेक सिंह अपनी फोर्स के साथ लगातार भ्रमण शील रहे तथा मेले में किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए पैनी नजर रखे हुए थे।

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की वाराणसी में 31 अक्टूबर को प्रस्तावित जनसभा को सफल बनाने के लिए पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को अलाउद्दीनपुर स्थित अकेल्वा के राधिका लॉन में सपा नेताओं एवं पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनसभा की तैयारियों, आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं और नेताओं व कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पार्टी नेताओं ने प्रस्तावित जनसभा को सफल बनाने के लिए संगठन को बूथ, ब्लॉक और विधानसभा स्तर तक सक्रिय करने पर जोर दिया। बताया गया कि जनसभा सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत



संजोई में आयोजित होगी। आयोजन में पांच लाख से अधिक लोगों की भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए विभिन्न पदाधिकारियों के नेतृत्व में किया गया। नेताओं ने कहा कि बड़े आयोजन की सफलता के लिए

सांसद वीरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद तुफानी सरोज, पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटेल, पूर्व मंत्री मनोज राय 'धूधचंडी', जिलाध्यक्ष सुजीत यादव 'लक्कड़', जिला महासचिव आनंद मौर्य, पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी, प्रदेश सचिव विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा', प्रवक्ता संतोष यादव एडवोकेट 'बबलू', पूर्व विधायक उदय लाल मौर्य, आत्माराम यादव, डॉ. ओपी सिंह, रामबालक पटेल, किशन दीक्षित, पूजा यादव, लालू यादव, इस्तकबाल कुरैशी, अनवारूल हक अंसारी, दिलशाद अहमद 'डिल्लू', मनीष सिंह, राजू यादव, पुतुल यादव और शशि यादव सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में नेताओं ने जनसभा की तैयारियों को लेकर अपने सुझाव रखे और संगठन के विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों के निर्वहन पर बल दिया।

रिश्तों में समर्पण का संदेश लेकर आया मोटिवेशनल सीरीज 'रिश्ते ही पूँजी है' का पांचवां एपिसोड

संजीव अग्रवाल की सीरीज 'समर्पण' के मेगा प्रीमियर में उमड़े सैकड़ों सदस्य, भावुक हुए दर्शक

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। मोटिवेशनल स्पीकर संजीव अग्रवाल की चर्चित मोटिवेशनल सीरीज 'रिश्ते ही पूँजी है' की पांचवीं कड़ी 'समर्पण' का मेगा प्रीमियर शो महमूरगंज स्थित आशीर्वाद हॉस्पिटल के पंचम तल सभागार में भव्यता और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सैकड़ों सदस्यों की उपस्थिति रही। करीब 15 मिनट के इस विशेष एपिसोड ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसकी भावनात्मक प्रस्तुति के माध्यम से रिश्तों में प्रेम, विश्वास, त्याग और समर्पण के महत्व को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। सीरीज 'रिश्ते ही पूँजी है' अब तक हजारों लोगों को रिश्तों की अहमियत समझने और परिवारिक व सामाजिक संबंधों को बेहतर बनाने की प्रेरणा दे चुकी है। इसकी पांचवीं कड़ी 'समर्पण' में यह



संदेश दिया गया कि रिश्तों की वास्तविक मजबूती केवल शब्दों से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता, त्याग, जिम्मेदारी और समर्पण की भावना से आती है। एपिसोड की प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को अपने रिश्तों और उनके प्रति अपनी जिम्मेदारियों पर आत्ममंथन करने के लिए प्रेरित किया। मेगा प्रीमियर में मनीष गर्ग, प्रकाश भागचंदानी, प्रिया आशीष जायसवाल, ऋषि जायसवाल, विकास शुक्ला, सुषमा अग्रवाल,

विनोद अग्रवाल, संजीता अग्रवाल, प्रदीप मेहरोत्रा, डॉ. वीरेंद्र केसरवानी, दिव्या अग्रवाल, आकांक्षा मिश्रा, डॉ. शालिनी राणा, विनय गिरी, रितेश अग्रवाल, कृष्ण मोहन अग्रवाल, अभिषेक भट्टाचार्य, दीपक अग्रवाल और सीमा श्रीवास्तव सहित सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत संबोधन के साथ हुआ। अरविंद जैन ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि बृजेश दास ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम

का संचालन पूजा गौरव गुप्ता ने किया। इस अवसर पर अन्नपूर्णा अग्रवाल और ऋषि जायसवाल का जन्मदिन भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उपस्थित सदस्यों ने दोनों को शुभकामनाएं दीं, जिससे आयोजन का माहौल और भी खुशनुमा हो गया। अपने सानिध्य उद्बोधन में डॉ. दीपाली गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को ऐसी प्रेरणादायक सीरीज की अत्यंत आवश्यकता है। इस तरह की प्रस्तुतियां लोगों को रिश्तों का

महत्व समझाने के साथ-साथ उन्हें बेहतर तरीके से निभाने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने अपील की कि सीरीज को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए, ताकि इसका सकारात्मक संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंच सके। वहीं, डॉ. आशीष गुप्ता ने कहा कि डिजिटल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर ऐसी सार्थक और प्रेरणादायक सीरीज की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए, जिससे अधिक से अधिक लोग इन्हें देख सकें और इनके संदेशों को अपने जीवन में आत्मसात कर सकें। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, जय श्री कृष्णा फाउंडेशन परिवार के सदस्यों और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही सीरीज से जुड़े सभी लोगों को इस सार्थक पहल के लिए बधाई दी गई। सीरीज हरिश्ते ही पूँजी है की पांचवीं कड़ी 'समर्पण' डिजिटल प्लेटफॉर्म के विभिन्न माध्यमों पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ, डीआरएम आशीष जैन ने दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ



वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आशीष जैन ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस दौरान रेलकर्मियों ने अपने कार्यों में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डीआरएम आशीष जैन ने कहा कि

भ्रष्टाचार देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में एक बड़ी बाधा है। इसके उन्मूलन के लिए सरकार, नागरिकों और निजी क्षेत्र सहित सभी संबंधित पक्षों को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहते हुए ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए और भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। शपथ ग्रहण के दौरान रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी बरतने, कानून के नियमों का पालन करने, न रिश्तवत लेने और न रिश्तवत देने, सभी कार्य

पारदर्शी तरीके से करने तथा जनहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया। इसके साथ ही अपने निजी आचरण में ईमानदारी का उदाहरण प्रस्तुत करने और भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की सूचना संबंधित उचित एजेंसी को देने की शपथ भी ली गई। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) अजय सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) अशोक कुमार वर्मा सहित मंडल के सभी शाखाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने और आप भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

बूथों के संभाजन प्रस्तावों पर राजनीतिक दलों की मुहर, मतदाता सूची को शुद्ध बनाने पर जोर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सोमवार को बूथों के संभाजन प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई।

बैठक में विधानसभा क्षेत्रों में बूथों के निर्धारण और संभाजन से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा की गई। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुत प्रस्तावों पर सहमति जताते हुए प्रशासन की



पहल की सराहना की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। यथासंभव सरकारी भवनों में बूथ बनाए जाएं। बड़ी सोसाइटियों और बहुमंजिला आवासीय परिसरों में भी आवश्यकता के अनुसार बूथ बनाए जा सकते हैं, जबकि निप्रयोज्य घोषित

भवनों में बूथ नहीं बनाए जाएंगे। प्रस्तावों पर आमजन से सुझाव और आपत्तियां भी मांगी गई थीं। जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों से बीएलए के माध्यम से मतदाता सूची से वंचित पात्र नागरिकों की पहचान कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि बीएलओ घर-घर जाकर पंजीकरण के लिए फॉर्म भरवा रहे हैं। आगामी 12 तारीख से शुरू होने वाले विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में राजनीतिक दलों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की गई, ताकि मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और समावेशी बनाया जा सके।

क्रॉसिंग रिपब्लिक में सट्टेबाजी पर पुलिस का शिकंजा, दो आरोपी गिरफ्तार

सट्टा पच्ची, डायरी और 1300 रुपये नकद बरामद



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने सट्टे की खाई-बाड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सट्टा पच्ची, डायरी और कुल 1300 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 26 अक्टूबर को चैकिंग के दौरान न्यू शांति नगर निवासी ओमप्रकाश (58) को मदरसे के पास खाली प्लॉट से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 580 रुपये, सट्टा पच्ची और एक डायरी बरामद हुई। वहीं, 25 अक्टूबर को पुलिस ने भीमनगर निवासी विरेंद्र उर्फ गुड्डू (36) को महाराणा विहार क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 720 रुपये नकद और सट्टा लगाने का सामान मिला। दोनों आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक साल से टूटी पड़ी स्कूल की सड़क, शिकायतों के बाद भी नहीं जागा नगर निगम

साहिबाबाद (वेलकम इंडिया)। रिकेंद्रपुर गांव में प्राइमरी स्कूल तक जाने वाली सड़क की बहाली ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि करीब एक साल से सड़क टूटी पड़ी है, लेकिन कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया। इस रास्ते से ग्रामीणों के साथ रोजाना स्कूली बच्चे भी आवागमन करते हैं। सड़क की खराब स्थिति और नालियों के ओवरफ्लो होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क कई स्थानों पर ऊंची तो कहीं नीची है। बीच में सड़क खोद दिए जाने से रास्ता और ज्यादा खराब हो गया है। नालियों का पानी ओवरफ्लो होने से आवागमन में परेशानी बढ़ जाती है। विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने के दौरान इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क की मरम्मत नहीं होने से लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने समस्या के समाधान के लिए आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी।

शराब के ठेकों के आसपास हुड़दंग और अतिक्रमण पर पुलिस का शिकंजा

चार दिन के अभियान में 1569 लोगों पर कार्रवाई, नगर जोन में 565 और ग्रामीण जोन में 679 के खिलाफ एक्शन



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेंट गाजियाबाद में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने 22 से 25 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान शराब की दुकानों के आसपास सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर शराब पीने वालों के साथ ठेकों के आसपास अवैध रूप से ठेले व दुकानें लगाकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर अव्यवस्था रोकना, यातायात सुचारु बनाए रखना और आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना रहा।

अभियान के तहत सभी थाना और चौकी प्रभारियों ने अपने क्षेत्रों में सघन चेकिंग की। वहीं, पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्त ने भ्रमण कर अभियान की निगरानी की तथा अधीनस्थ अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार, चार दिवसीय अभियान में नगर जोन में 565, ट्रांस हिंडन जोन में 325 और ग्रामीण जोन में 679 व्यक्तियों के खिलाफ धारा 34 पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इस प्रकार कुल 1569 लोगों पर कार्रवाई हुई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थलों पर शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

गाजियाबाद के युवाओं के लिए खुला रोजगार का द्वार, 1M1B जॉब्स एक्सप्रेस में मिले अवसर

25 से अधिक कंपनियों ने गाजियाबाद में दी दस्तक, युवाओं को मिले नौकरी के ऑफर लेटर



कपिल चौहान

साहिबाबाद (वेलकम इंडिया)। वसुंधरा स्थित सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल में आयोजित विशाल '1M1B जॉब्स एक्सप्रेस' रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों में चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए। रोजगार मेले में 25 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर स्थानीय युवाओं की प्रतिभा और हुनर को परखा। चयनित युवाओं को नौकरी के अवसर मिलने से उनके चेहरों पर खुशी और भविष्य को लेकर उत्साह नजर आया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आयोजकों ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रोजगार मेले को स्थानीय प्रतिभाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

सरदार पटेल की जयंती पर 'सबसे ऊंचे सरदार' संगोष्ठी की तैयारी तेज, भाजपा कार्यालय में बनी रणनीति



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, महानगर गाजियाबाद की ओर से लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित होने वाली 'सबसे ऊंचे सरदार' संगोष्ठी की तैयारियों को लेकर महानगर भाजपा कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की। बैठक में ओबीसी मोर्चा महानगर अध्यक्ष राहुल गिरि गोस्वामी ने संगोष्ठी की रूपरेखा और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन राष्ट्रीय एकता, अखंडता और समर्पण का प्रतीक है। राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना सभी का दायित्व है। इस दौरान महानगर महामंत्री पंकज भारद्वाज, ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष विकास चौधरी, विशेष नागर, हरीश कसाना सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष और मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुठभेड़ में तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार, 15 लाख का गांजा बरामद

एक बदमाश के पैर में लगी गोली, दो तमंचे और स्कूटी भी बरामद



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मधुबन बापूधाम थाना पुलिस और स्वाट टीम नगर जोन ने मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 33 किलोग्राम अवैध गांजा, दो तमंचे, तीन खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की काली स्कूटी बरामद हुई है। बरामद गांजे की कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 16 मंजिला गोल चक्कर तिराहे पर चेकिंग के दौरान दुहाई रेलवे फाटक की ओर से आ रही स्कूटी सवार तीन संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। आरोपियों ने भागते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में राहुल उर्फ राजेश उर्फ विनोद उर्फ मूशा उर्फ राजू के पैर में गोली लगी। पुलिस ने राहुल के साथ अभय उर्फ गौरव और तुषार सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शालीमार गार्डन में पुलिस मुठभेड़, 25 हजार का इनामी बदमाश अमजद गिरफ्तार

पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली, चोरी की स्कूटी, आईफोन और तमंचा बरामद



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने सोमवार रात मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश अमजद को गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी, जिसके बाद उसे पकड़कर प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, चोरी की स्कूटी और आईफोन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 26 अक्टूबर की रात डीएलएफ चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ भगत सिंह चौक पर गश्त और चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान स्कूटी सवार युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। कब्रिस्तान के मोड़ पर स्कूटी गिरने के बाद वह अंदर की गली में भागा और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें वह घायल हो गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमजद पुत्र चांद मोहम्मद, निवासी प्रेम नगर, लोनी, गाजियाबाद, उम्र करीब 25 वर्ष के रूप में हुई है। जांच में बरामद स्कूटी दिल्ली के वजौराबाद थाना क्षेत्र से चोरी की निकली। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ गाजियाबाद के विभिन्न थानों में 16 मुकदमे दर्ज हैं और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

गाजियाबाद में धूमधाम से मनी महर्षि वाल्मीकि जयंती, पांचों विधानसभा क्षेत्रों में हुए आयोजन



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जगपद में सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न स्थानों पर श्रीरामचरितमानस और रामायण पाठ के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि के जीवन, आदर्शों और योगदान को याद किया गया। जिला प्रशासन और नगर निकायों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई स्थानों पर शोभायात्राएं, आकर्षक झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक समरसता, धार्मिक आस्था और भारतीय संस्कृति का संदेश दिया गया। महर्षि वाल्मीकि को रामायण के रचयिता के रूप में जाना जाता है। उनकी रचनाएं समाज को मर्यादा, नैतिकता और आदर्श जीवन की प्रेरणा देती हैं। जयंती के अवसर पर उनके विचारों और शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। आयोजनों के माध्यम से लोगों को महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया।

हजारों घरों तक पहुंचा मतदाता सत्यापन अभियान, पात्र नागरिकों ने नए पंजीकरण के लिए किए आवेदन

लापरवाही बरतने वाले बीएलओ पर होगी कार्रवाई, मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के निर्देश



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सोमवार को गाजियाबाद में घर-घर मतदाता सत्यापन अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मोंदड़ के निर्देशन में बीएलओ ने हजारों घरों में पहुंचकर मतदाताओं का सत्यापन किया। इस दौरान नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, विवरण में संशोधन कराने और अपनी प्रविष्टियों की जांच करने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के दौरान पात्र नागरिकों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किए। नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। जिलाधिकारी ने अभियान की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों और बीएलओ को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुपस्थित पाए गए बीएलओ के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। साथ ही स्पष्ट किया कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने और परिवार के पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में अवश्य जांच लें। नाम दर्ज नहीं होने पर संबंधित बीएलओ या निर्वाचन आयोग के पोर्टल के माध्यम से आवेदन करें।